बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

परमेश्वर द्वारा इब्राहीम के प्रेम का प्रीक्षण

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Byron Unger; Lazarus Alastair P.
रूपान्तरकार: M. Maillot; Tammy S.
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2020 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

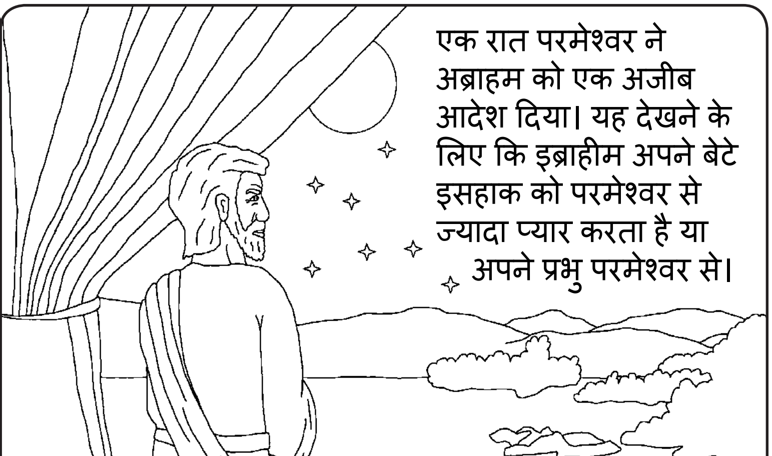

एक रात परमेश्वर ने अब्राहम को एक अजीब आदेश दिया। यह देखने के लिए कि इब्राहीम अपने बेटे इसहाक को परमेश्वर से ज्यादा प्यार करता है या अपने प्रभु परमेश्वर से।

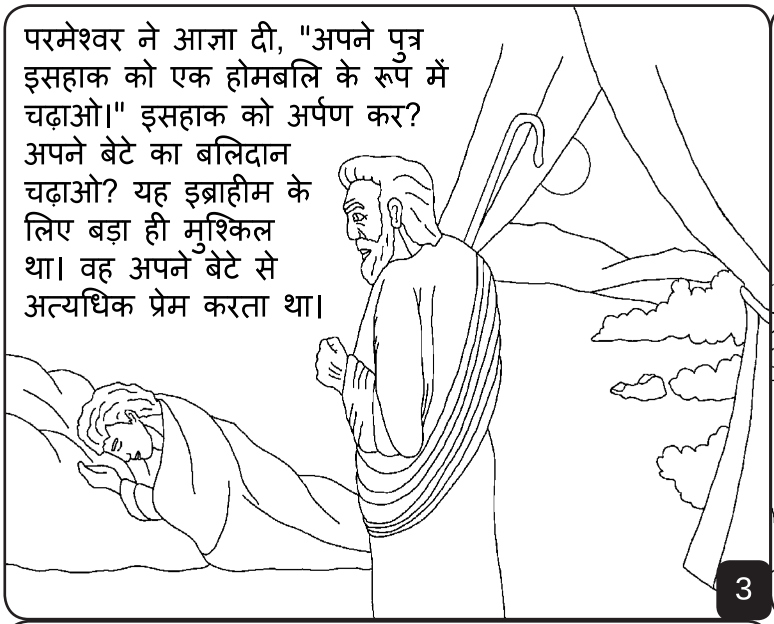
परमेश्वर ने आज्ञा दी, "अपने पुत्र इसहाक को एक होमबलि के रूप में चढ़ाओ।" इसहाक को अर्पण कर? अपने बेटे का बलिदान चढ़ाओ? यह इब्राहीम के लिए बड़ा ही मुश्किल था। वह अपने बेटे से अत्यधिक प्रेम करता था।
3

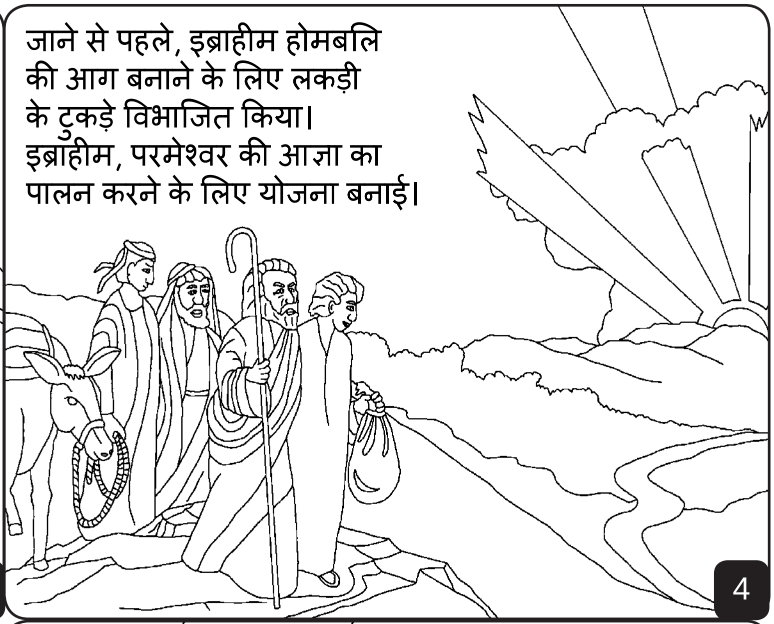
जाने से पहले, इब्राहीम होमबलि की आग बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े विभाजित किया। इब्राहीम, परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने के लिए योजना बनाई।
4

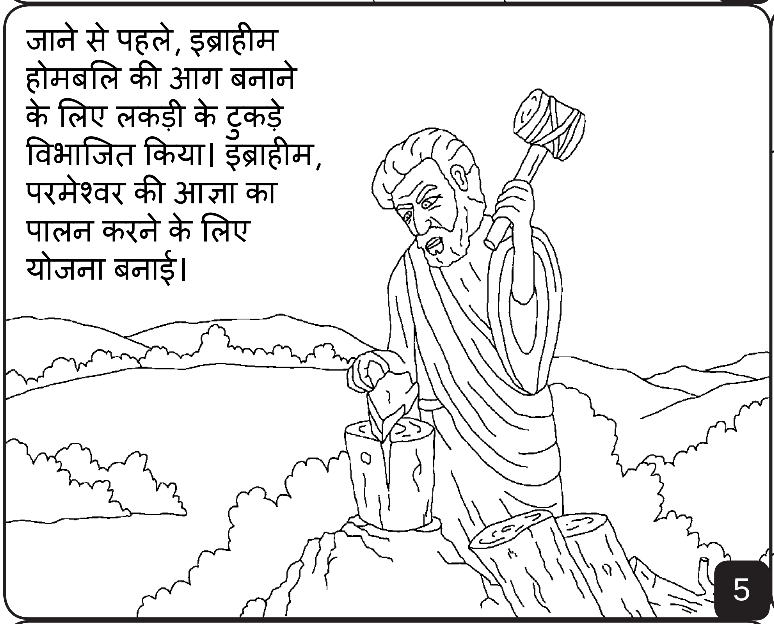
जाने से पहले, इब्राहीम होमबलि की आग बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े विभाजित किया। इब्राहीम, परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने के लिए योजना बनाई।
5

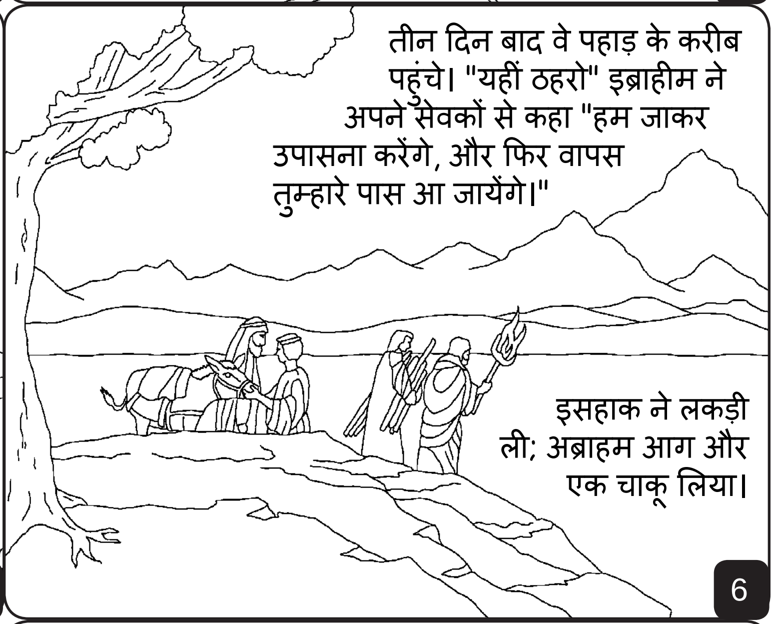
तीन दिन बाद वे पहाड़ के करीब पहुंचे। "यहीं ठहरो" इब्राहीम ने अपने सेवकों से कहा "हम जाकर उपासना करेंगे, और फिर वापस तुम्हारे पास आ जायेंगे।"
इसहाक ने लकड़ी ली; अब्राहम आग और एक चाकू लिया।
6

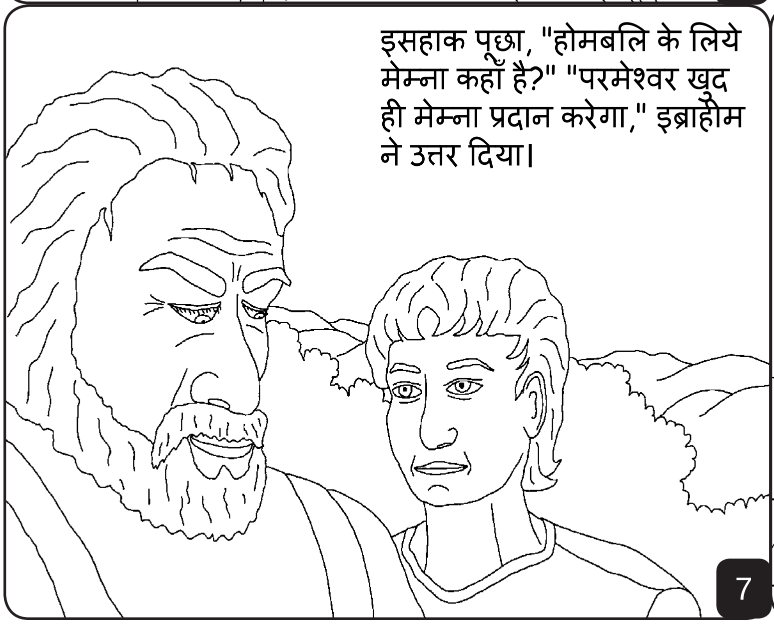
इसहाक पूछा, "होमबलि के लिये मेम्ना कहाँ है?" "परमेश्वर खुद ही मेम्ना प्रदान करेगा," इब्राहीम ने उत्तर दिया।
7

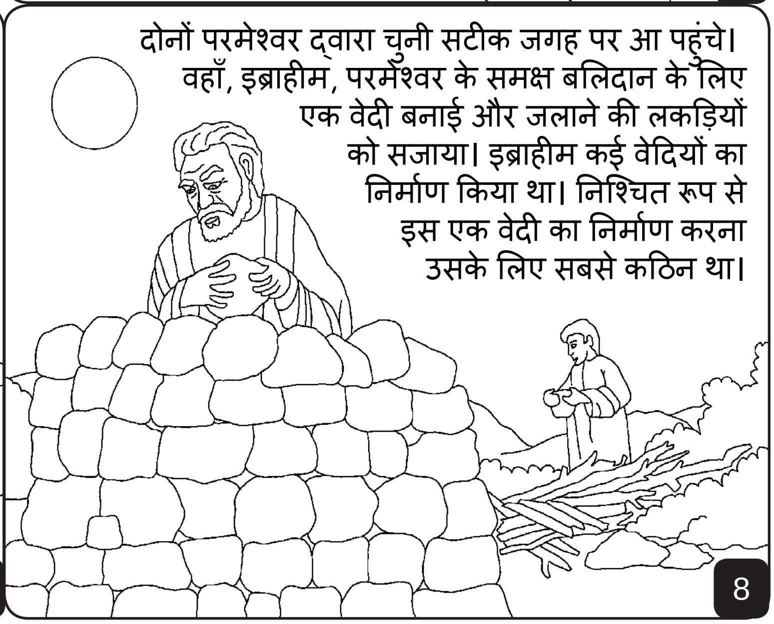
दोनों परमेश्वर द्वारा चुनी सटीक जगह पर आ पहुंचे। वहाँ, इब्राहीम, परमेश्वर के समक्ष बलिदान के लिए एक वेदी बनाई और जलाने की लकड़ियों को सजाया। इब्राहीम कई वेदियों का निर्माण किया था। निश्चित रूप से इस एक वेदी का निर्माण करना उसके लिए सबसे कठिन था।
8

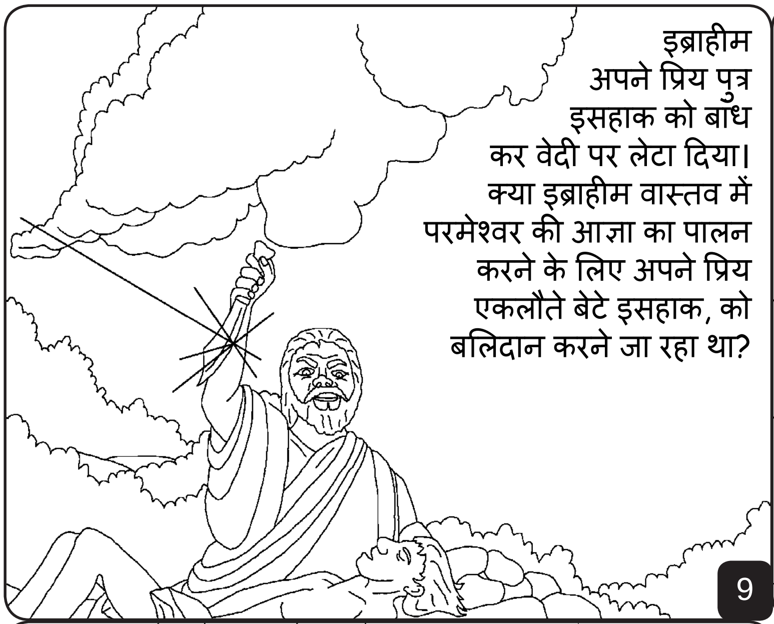
इब्राहीम
अपने प्रिय पुत्र
इसहाक को बांध
कर वेदी पर लेटा दिया।
क्या इब्राहीम वास्तव में
परमेश्वर की आज्ञा का पालन
करने के लिए अपने प्रिय
एकलौते बेटे इसहाक, को
बलिदान करने जा रहा था?
9

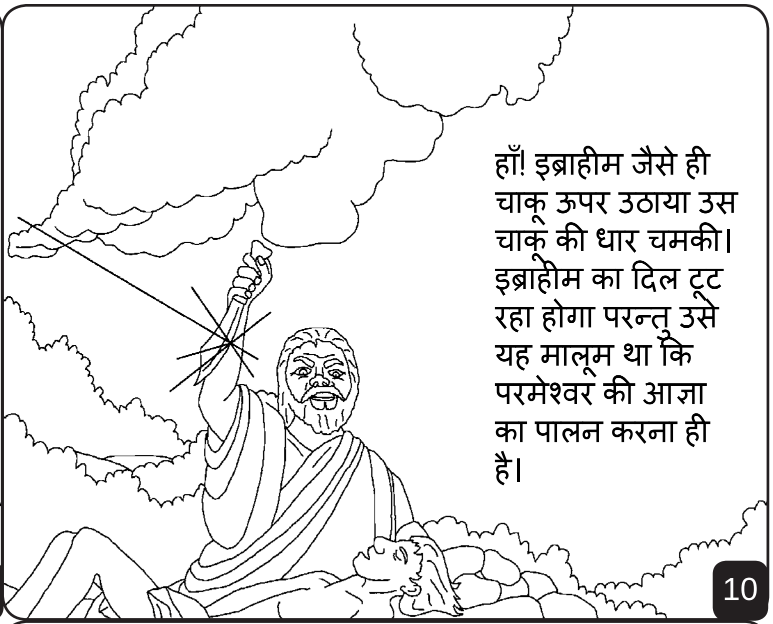
हाँ! इब्राहीम जैसे ही
चाकू ऊपर उठाया उस
चाकू की धार चमकी।
इब्राहीम का दिल टूट
रहा होगा परन्तु उसे
यह मालूम था कि
परमेश्वर की आज्ञा
का पालन करना ही
है।
10

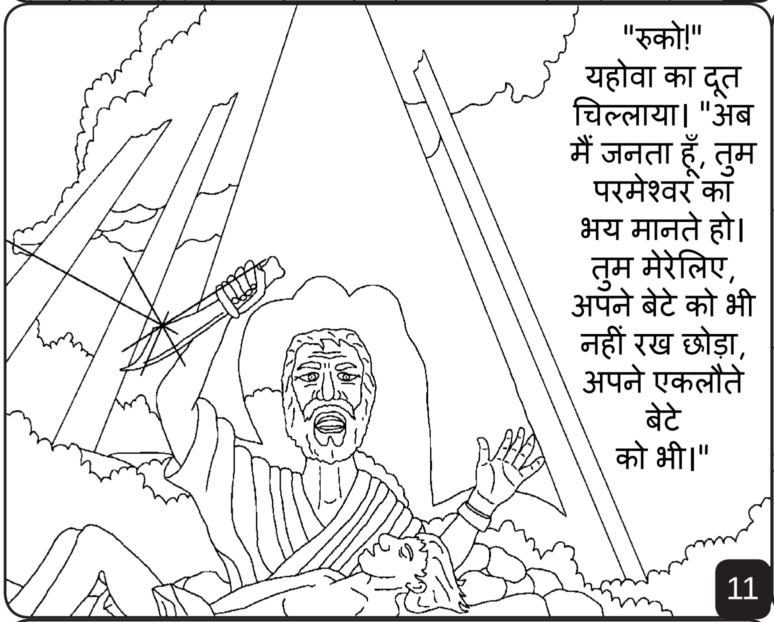
"रुको!"
यहोवा का दूत
चिल्लाया। "अब
मैं जनता हूँ, तुम
परमेश्वर का
भय मानते हो।
तुम मेरेलिए,
अपने बेटे को भी
नहीं रख छोड़ा,
अपने एकलौते
बेटे
को भी।"
11

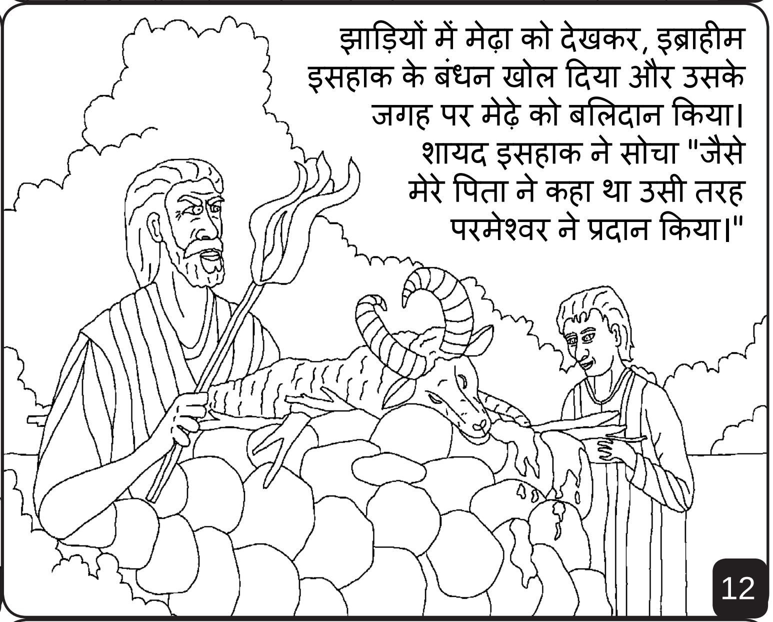
झाड़ियों में मेढ़ा को देखकर, इब्राहीम
इसहाक के बंधन खोल दिया और उसके
जगह पर मेढ़े को बलिदान किया।
शायद इसहाक ने सोचा "जैसे
मेरे पिता ने कहा था उसी तरह
परमेश्वर ने प्रदान किया।"
12

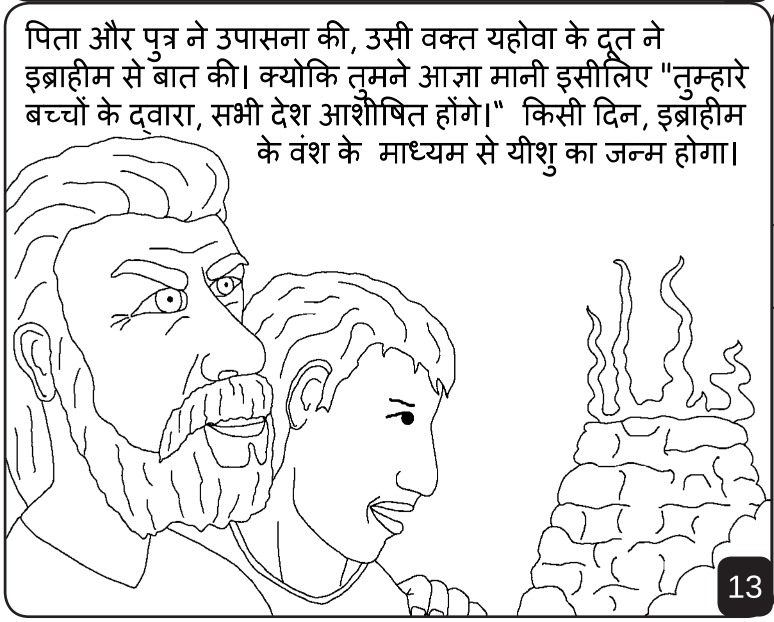
पिता और पुत्र ने उपासना की, उसी वक्त यहोवा के दूत ने
इब्राहीम से बात की। क्योकि तुमने आज्ञा मानी इसीलिए "तुम्हारे
बच्चों के द्‌वारा, सभी देश आशीषित होंगे।" किसी दिन, इब्राहीम
के वंश के माध्यम से यीशु का जन्म होगा।
13

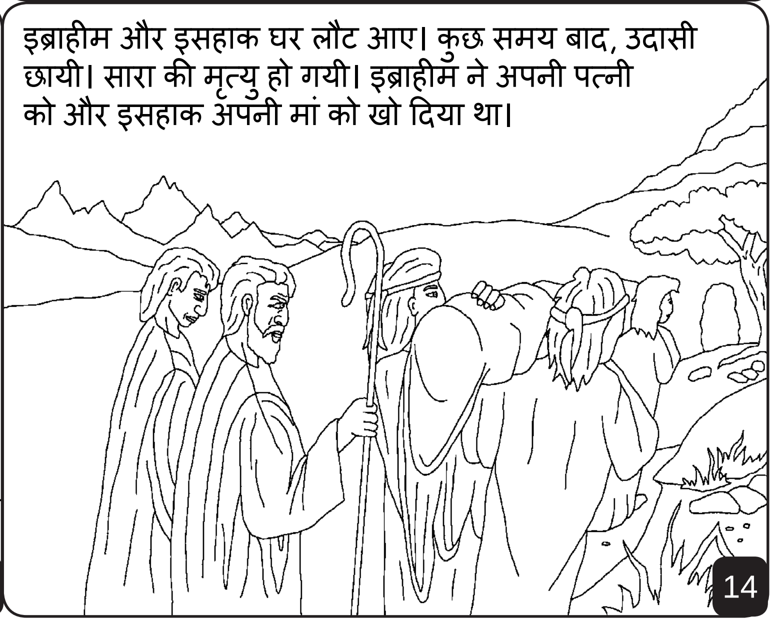
इब्राहीम और इसहाक घर लौट आए। कुछ समय बाद, उदासी
छायी। सारा की मृत्यु हो गयी। इब्राहीम ने अपनी पत्नी
को और इसहाक अपनी मां को खो दिया था।
14

अंतिम संस्कार के बाद, इब्राहीम इसहाक के लिए एक पत्नी की तलाश के लिए अपने मुख्य सेवक को भेजा। नौकर इब्राहीम के रिश्तेदारों के बीच एक पत्नी को खोजने के लिए उनके पुराने मातृभूमि के लिए चला गया।

15

नौकर ने परमेश्वर से एक चिंन्ह को माँगा। "मेरे ऊंटों के लिए जो पानी उपलब्ध करायें, वही लड़की इसहाक के लिए सही हो।" "तुरंत रिबका उन्हें पानी देने की पेशकश की।" वह इब्राहीम के रिश्तेदारों में से एक थी। नौकर को पता था कि परमेश्वर ने उसके प्रार्थना का जवाब दे दिया है।

16

रिबका इसहाक से शादी करने के लिए अपने परिवार को छोड़ दिया। उसकी मां की मौत के बाद वह उसे शांत्वना दी। इसहाक उसे बहुत प्यार करता था।

17

परमेश्वर द्वारा इब्राहीम के प्रेम का प्रीक्षण

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

उत्पत्ति 22-24

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

18

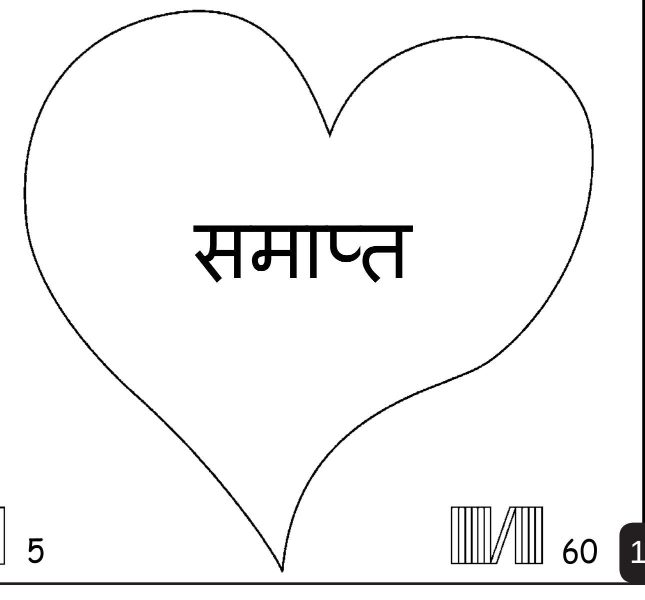

5 60

19

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16

20